

- III. Hasty execution : q.v. : *with d.* : त्वरितम्
or क्षिप्रम्. IV. A message : (1) पत्रम् (=letter);
(2) सन्देशः. *D. -box* : सन्देशपेटिका (?).
- DESPERADO : (1) साहसिकः (=daring) ; (2)
उन्मत्तः (=mad).
- DESPERATE : I. Hopeless : q.v. : निराशः (शा,
शं). II. Beyond hope : आशातीतः. *Ph.* : *the
case is d.* : अतिभूमिमयं गतः (lit. gone to the
extreme), *K.* ; *a d. disease* : वैद्ययत्नपरिभावी गदः,
R. : v. Incurable. III. Excessive : q.v. :
IV. Daring : q.v.
- DESPERATELY : I. Furiously : q.v. : उन्मत्तः
(चा, चं) इव. II. Exclusively : q.v. : निरति-
शयम्.
- DESPERATION : नैराश्यम् : v. Despair.
- DESPICABLE : जघन्यः (न्या, न्यं) : v. Mean,
worthless.
- DESPISE : (1) अवजानाति (ज्ञा, c. 1.), *d. ed in
mind* : मनसावज्ञातवान्, *D.* ; (2) अवमन्यते (मन्,
c. 4.), *I will not d. high Brahmins* : नावमंस्त्ये
ब्राह्मणर्षभान्, *Mah.* ; (3) जुगुप्सते (=to hate :
q.v.) ; (4) तुच्छयति (nomi.) : (5) तृणीकरोति ;
(6) न गणयति (गण्, c. 10.) : v. To care.
- DESPISINGLY : (1) अवज्ञया ; (2) सावमानम् ; (3)
अनादरेण.
- DESPITE (subs.) : I. Hatred, malice : q.v. :
जुगुप्सा. II. Defiance, contempt :
- DESPITE (prep.) : (1) अवमन्य ; (2) अवगणय्य ;
etc. : v. To depise.
- DESPITEFUL, DESPITEFULLY : v. Malicious,
maliciously.
- DESPOIL : हरति (हृ, c. 1.) : v. To deprive,
divert, rob.
- DESPOLIATION : हरणम् : v. Deprivation, divest-
ment.
- DESPOND (v.) : निर्वेदं गच्छति (गम्, c. 1.),
आपद्यते (पद्, c. 4.), etc.
- DESPONDENCY : (1) निर्वेदः ; (2) विषादः (= de-
jection).
- DESPONDENT : (1) निर्विण्णः (ण्णा, ण्णं) ; (2) विषण्णः
(ण्णा, ण्णं).
- DESPONDINGLY : (1) सनिर्वेदम् ; (2) विषण्णम् ; (3)
नैराश्यात्, etc.
- DESPOT : I. A lord : q.v. II. A tyrant : q.v. :
धूमकेतुः (?).
- DESPOTICAL : स्वेच्छाचारिन् (f. णी) : v. Also
tyrannically.
- DESPOTICALLY : स्वेच्छाचारेण : v. Also tyranni-
cally.
- DESPOTISM : स्वेच्छाचारित्वम् : v. Also tyranny.
- DESPUMATE : फेनायते (nomi.).
- DESPUMATION : निष्फेनीकरणम्, (?) : v. Clarifi-
cation.
- DESSERT : फलमिष्टादीनि (n. pl.) (?).
- DESTINATION : I. Intention, purpose : q.v. :
अभिप्रायः. II. End of a journey : ईप्सितं
स्थानम्.
- DESTINE : (1) स्थिरीकरोति (=to fix : q.v.) ;
(2) better by circumlo, *I am 'd. d to eternal
woe'* : *अविरतदुःखं कपाले मे लिखितम्.
- DESTINY : भवितव्यता, *following d.* : भवितव्यतानु-
विधायिन् (f. नी), *V.* : v. Fate.
- DESTITUTE : दीनः (ना, नं) : v. Needy, indi-
gent.
- DESTITUTE OF : हीनः (ना, नं) : v. Devoid of.
- DESTITUTION : I. Indigence, poverty : q.v. :
दैन्यम्. II. The state of being destitute of :
हीनता, वि-, परि-, in tat. comp.
- DESTROY : (1) नाशयति, वि-, प्र-, (c. of नश्),
why has he d. ed the whole park : वनं किमर्थं सकलं
विनाशितम्, *A. r.* ; *d. (our) ignorance* : अज्ञानं
विनाशय, *B. p.* ; (2) ध्वंसयति, वि-, प्र-, (c. of ध्वंस्)
(=demolish), *Hanumān who has d. ed the,
whole city* : विध्वंसिताशेषपुरो हनुमान्, *B. xii. 23.* ;
(3) क्षयं नयति (नो, c. 1.) (=to annihilate),
d. ed Rākshasas : अनैषीद्राक्षसान् क्षयम्, *B. xv. 10.* ;
(4) हन्ति (हन्, c. 2.) (prop.=to kill). *if this
garland d. s life* : स्रगियं यदि जीवितापहा, *R.*
- DESTROYED, BE OR GET : (1) नश्यति, वि-, (नश्,
c. 4.) : (2) नाशम् or विनाशमेति (ह, c. 2.), अवा-
प्नोति (आप्, c. 5.) etc., *everything else gets d.* :
नाशं सर्वमन्यद्भि गच्छति, *M.* ; (3) ध्वंसं or प्रध्वंसं or
विध्वंसम् एति etc., *Ki.* ; (4) ध्वंसते, वि-, प्र-,
(ध्वंस्, c. 1.).
- DESTROYER : (1) नाशकः, वि-, *d. of Tāraka* :
तारकस्य विनाशकः, *Mat.* ; (2) नाशयितृ, वि-, (m.)